

भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध

प्रलमिस के लयि:

भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध, [द्वपिकषीय नविश संधि \(BIT\)](#), [वदिशी परतयकष नविश \(FDI\)](#), [भारत-मध्य पूरव आरथकि गलयिरा \(IMEC\)](#)

मेन्स के लयि:

भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध, भारत-संयुक्त अरब अमीरात संबंध का आरथकि और रणनीतिक महत्त्व, द्वपिकषीय संबंधों को बढ़ावा देने के उपाय

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चरचा में क्यो?

हाल ही में भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने नविश, वदियुत व्यापार और डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्म जैसे प्रमुख कषेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लयि आठ समझौतों पर हस्ताकषर कयि हैं।

हस्ताकषरति समझौते की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- **डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्मों को आपस में जोड़ना:**
 - **UPI और AANI की इंटरलकिगि:**
 - दोनों देशों ने UPI (भारत) और AANI (UAE) जैसे [डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्मों को आपस में जोड़ने](#) पर समझौते पर हस्ताकषर कयि।
 - इससे भारत और UAE के बीच सीमा पार लेन-देन की नरिबाध सुवधा मलगी जसिसे वत्तीय कनेक्टिविटी तथा सहयोग बढ़ेगा।
 - **घरेलू डेबिट/क्रेडिट कार्ड (RuPay और JAYWAN) को इंटरलकि करना:**
 - दोनों देशों ने घरेलू डेबिट/क्रेडिट कार्ड- **RuPay (भारत) को JAYWAN (UAE) को आपस में जोड़ने** हेतु समझौता कयि।
 - यह **वत्तीय कषेत्र में सहयोग के नरिमाण में एक महत्त्वपूर्ण कदम** है और इससे संपूर्ण संयुक्त अरब अमीरात में RuPay की सार्वभौमिकि स्वीकृत बिदेगी।
 - UAE का घरेलू कार्ड JAYWAN **डजिटिल RuPay क्रेडिट और डेबिट कार्ड** स्टैक पर आधारति है।
- **द्वपिकषीय नविश संधि:**
 - दोनों देशों ने [द्वपिकषीय नविश संधि \(BIT\)](#) पर हस्ताकषर कयि। यह समझौता दोनों देशों में नविश को और बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिएगा।
 - **भारत के बुनयिदी ढाँचा कषेत्र में UAE का नविश महत्त्वपूर्ण रहा है।**
 - वर्ष 2022-2023 में **संयुक्त अरब अमीरात ने भारत में चौथे सबसे बड़े वदिशी परतयकष नविश (FDI) नविशक** के रूप में योगदान कयि। इसने भारत के बुनयिदी ढाँचा कषेत्र में 75 बलियिन अमेरिकी डॉलर का नविश करने की प्रतबिद्धता जताई।
- **भारत-मध्य पूरव आरथकि गलयिरा (IMEC) पर अंतर सरकारी ढाँचा समझौता:**
 - इसका उद्देश्य भारत-संयुक्त अरब अमीरात सहयोग को बढ़ावा देना तथा कषेत्रीय कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने के लयि भारत और संयुक्त अरब अमीरात सहयोग को बढ़ाना है। [IMEC](#) की घोषणा **सतिंबर वर्ष 2023 में नई दलिली में आयोजति G20 शखिर सममेलन** के दौरान की गई थी।
- **ऊरजा कषेत्र में सहयोग:**
 - दोनों पक्षों ने **इलेक्ट्रिकल इंटरकनेकशन और व्यापार** के कषेत्र में सहयोग पर समझौता कयि जो ऊरजा सुरक्षा तथा ऊरजा व्यापार सहति ऊरजा के कषेत्र में सहयोग के नए कषेत्रों को उजागर करता है।
 - संयुक्त अरब अमीरात **कच्चे तेल और LPG** के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है तथा भारत ने **LNG के लयि दीरघकालकि अनुबंध** की योजना बनाई है।
- **सांसकृतकि सहयोग:**
 - दोनों देशों ने **“दोनों देशों के राष्ट्रिय अभलिखागार के बीच सहयोग प्रोटोकॉल”** पर हस्ताकषर कयि यह प्रोटोकॉल अभलिखीय सामग्री की बहाली और संरक्षण सहति इस कषेत्र में व्यापक द्वपिकषीय सहयोग को आकार देगा।

- वरिसत और संग्रहालयों के क्षेत्र में सहयोग के लिये समझौता कथिा गया जसिका उद्देश्य **लोथल, गुजरात में राषट्रीय समुद्री वरिसत परसिर** में सहयोग करना है ।
- **BAPS मंदरि नरिमाण के लिये आभार:**
 - भारत ने अबू धाबी में **BAPS मंदरि** के नरिमाण के लिये भूमि प्रदान करने में समर्थन के लिये संयुक्त अरब अमीरात को धन्यवाद दथिा और मंदरि के नरिमाण को संयुक्त अरब अमीरात-भारत मतिरता तथा सांसकृतकि संबंधों का प्रतीक बताया ।
- **पत्तन अवसंरचना वकिस:**
 - भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पत्तन के बुनयिादी ढाँचे तथा कनेक्टविटी को बढ़ाने के लयिराइट्स (RITES) लमिटीड एवं गुजरात मैरीटाइम बोर्ड ने अबू धाबी पोर्ट्स कंपनी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कथिा ।
- **भारत मार्ट:**
 - भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत मार्ट की आधारशलिा रखी गई जो दुबई में जेबेल अली मुक्त व्यापार क्षेत्र में **खुदरा, भंडारण और रसद सुवधिाएँ** प्रदान करेगा ।
 - भारत मार्ट संभावति रूप से भारत के **सुकषम, लघु और मध्यम क्षेत्रों** को पश्चमि एशया, खाड़ी, अफ्रीका तथा यूरेशया में **अंतरराषट्रीय खरीदारों तक पहुँचाने में एक मंच प्रदान करेगा** जो उनके नरियात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमकि नभिा सकता है ।



BAPS मंदरि कया है?

- **परचिय:**
 - BAPS (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) मंदरि हद्वि धरम के **वैष्णव संप्रदाय** स्वामीनारायण संप्रदाय से संबद्ध धारमकि और सांसकृतकि केंद्र है ।

- स्वामीनारायण संप्रदाय का सद्दिशांत भगवान स्वामीनारायण द्वारा दिया गया था जो पारंपरिक हट्टि ग्रंथों में नहिती है। BAPS के पास दुनिया भर में लगभग 1,550 मंदिरों का नेटवर्क है, जसिमें नई दल्लि और गांधीनगर में अक्षरधाम मंदिर तथा लंदन, ह्यूस्टन, शिकागो, अटलांटा, टोरंटो, लॉस एंजलिस एवं नैरोबी में स्वामीनारायण मंदिर शामिल हैं।
- **वशिषताएँ:**
 - **पारंपरिक वास्तुकला:** अबू धाबी मंदिर सात शखिरों वाला एक पारंपरिक पत्थर वाला हट्टि मंदिर है। **पारंपरिक नागर शैली** में नरिमति, मंदिर के सामने के पैल में सार्वभौमिक मूल्यों, वभिनिन संस्कृतियों के सद्भाव की कहानियों, हट्टि आध्यात्मिक नेताओं और अवतारों को दर्शाया गया है।
 - मंदिर की ऊँचाई 108 फीट, लंबाई 262 फीट और चौड़ाई 180 फीट है, जबकबिहरी हसिसे में राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है, जबकि आंतरिक हसिसे में इतालवी संगमरमर का उपयोग किया गया है।
- **वास्तुशिल्प वशिषताएँ:**
 - मंदिर में अलौह सामग्री (जो जंग का प्रतिरोध करती है) का उपयोग किया गया है।
 - जबकि मंदिर में कई अलग-अलग प्रकार के खंभे देखे जा सकते हैं जैसे गोलाकार और षट्कोणीय, वहीं एक वशिष स्तंभ है, जसिसूतंभों का स्तंभ' कहा जाता है, जसिमें लगभग 1,400 छोटे खंभे उकरे हुए हैं।
 - मंदिर में भारत के चारों कोनों के देवताओं को चित्रित किया गया है। इनमें भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान, भगवान शिव, पार्वती, गणपति, कार्तिकेय, भगवान जगन्नाथ, भगवान राधा-कृष्ण, अक्षर-पुरुषोत्तम महाराज (भगवान स्वामीनारायण और गुणातीतानंद स्वामी), तरुपति बालाजी तथा पद्मावती एवं भगवान अयप्पा शामिल हैं।
 - **भारतीय सभ्यता** की 15 मूल्यवान कहानियों के अलावा, **माया सभ्यता**, एज़टेक सभ्यता, मसिर की सभ्यता, अरबी सभ्यता, यूरोपीय सभ्यता, चीनी सभ्यता और अफ्रीकी सभ्यता की कहानियों को चित्रित किया गया है।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात के द्वपिक्षीय संबंध:

- **परचिय:**
 - भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने वर्ष 1972 में राजनयिक संबंध स्थापित किये।
 - द्वपिक्षीय संबंधों को तब और अधिक बढ़ावा मिला जब अगस्त 2015 में भारत के प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक नई रणनीतिक साझेदारी की नींव रखी।
 - इसके अलावा, जनवरी 2017 में **भारत के गणतंत्र दलिस समारोह** में मुख्य अतिथि के रूप में अबू धाबी के क्राउन प्रंसि की भारत यात्रा के दौरान यह सहमति हुई कि द्वपिक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत किया जाएगा।
 - इससे **भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक भागीदार समझौते** के लिये बातचीत शुरू करने को गति मिली।
- **आर्थिक संबंध:**
 - भारत और UAE के बीच आर्थिक साझेदारी विकसित हुई है, वर्ष 2022-23 में **द्वपिक्षीय व्यापार 85 बलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है**। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।
 - इसका उद्देश्य पाँच वर्षों में द्वपिक्षीय व्यापारिक व्यापार को 100 बलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर और सेवा व्यापार को 15 बलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है।
 - अनेक भारतीय कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात में सीमेंट, निर्माण सामग्री, कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं आदि के लिये संयुक्त उद्यम के रूप में या **वशिष आर्थिक कषेत्रों** में निरिमाण इकाइयों स्थापित की हैं।
 - भारत की संशोधित FTA रणनीति के तहत, सरकार ने नपिटने के लिये कम-से-कम छह देशों/कषेत्रों को प्राथमिकता दी है, जसिमें **अरली हार्वेस्टिंग डील (या अंतरिम व्यापार समझौते)** के लिये संयुक्त अरब अमीरात सूची में सबसे ऊपर है, अन्य बरटिन और यूरोपियन संघ हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इज़राइल और **खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council - GCC)** में देशों का एक समूह।
 - UAE ने भी भारत और सात अन्य देशों (बरटिन, तुर्की, दक्षिण कोरिया, इथियोपिया, इंडोनेशिया, इज़राइल और केन्या) के साथ द्वपिक्षीय आर्थिक समझौतों को आगे बढ़ाने के अपने इरादे की घोषणा की थी।
- **सांस्कृतिक संबंध:**
 - संयुक्त अरब अमीरात 3.3 मलियन से अधिक भारतीयों का घर है और अमीराती भारतीय संस्कृति से अच्छी तरह परिचित हैं तथा इसके प्रति नरम स्वभाव हैं। **भारत ने अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला 2019 में सम्मानित अतिथि देश के रूप में भाग लिया।**
 - भारतीय सनिमा/टी.वी./रेडियो चैनल आसानी से उपलब्ध हैं और इनकी दर्शक संख्या अच्छी है; संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख थिएटर/सनिमा हॉल व्यावसायिक हट्टि, मलयालम तथा तमिल फिलिमें दिखाते हैं।
 - अमीराती समुदाय हमारे वार्षिक **अंतरराष्ट्रीय योग दलिस** कार्यक्रमों में भी भाग लेता है और संयुक्त अरब अमीरात में योग तथा ध्यान केंद्रों के वभिनिन स्कूल सफलतापूर्वक चल रहे हैं।
- **फनितेक सहयोग:**
 - **अगस्त 2019 से UAE में रुपे कार्ड** की स्वीकृति और **रुपया-दरिहम नपिटान प्रणाली** के संचालन जैसी पहल डिजिटल भुगतान प्रणालियों में पारस्परिक अभिसरण को प्रदर्शित करती है।
 - भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच लेनदेन के लिये स्थानीय मुद्राओं के उपयोग की रूपरेखा का उद्देश्य **स्थानीय मुद्रा नपिटान प्रणाली (Local Currency Settlement System - LCSS)** स्थापित करना है।
 - **RBI** के अनुसार, LCSS के निरिमाण से निर्यातकों और आयातकों को अपनी संबंधित घरेलू मुद्राओं में चालान तथा भुगतान करने में सक्षम बनाया जाएगा, जो बदले में एक **INR-AED (संयुक्त अरब अमीरात दरिहम) वदिशी मुद्रा बाज़ार** के विकास को सक्षम करेगा।
- **ऊर्जा सुरक्षा सहयोग:**

- संयुक्त अरब अमीरात भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, भारत के मंगलुरु में **सामरिक तेल भंडार (strategic oil reserves)** संग्रहित सुविधा है।
- सामरिक क्षेत्रीय सहभागिता:
 - भारत और संयुक्त अरब अमीरात **I2U2** और **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा** जैसे विभिन्न क्षेत्रीय समूहों तथा पहलों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, जो साझा हितों एवं रणनीतिक संरक्षण को दर्शाते हैं।

भारत-UAE संबंधों में क्या चुनौतियाँ हैं?

- व्यापार बाधाएँ भारतीय निर्यात को प्रभावित कर रही हैं:
 - **गैर-टैरिफि बाधाएँ** जैसे स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी (Sanitary and Phytosanitary- SPS) उपाय तथा **व्यापार में तकनीकी बाधाएँ (Technical Barriers to Trade - TBT)** विशेष रूप से अनविद्य हलाल प्रामाणीकरण ने विशेष रूप से पोल्ट्री, माँस एवं प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को बाधित किया है।
 - भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन बाधाओं के कारण हाल के वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात को प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात में लगभग 30% की उल्लेखनीय गिरावट आई है।
- संयुक्त अरब अमीरात में चीनी आर्थिक प्रभाव:
 - चीन की "चेक बुक डिलोमेसी", जो कम ब्याज वाले ऋण के प्रस्ताव की विशेषता है, ने संयुक्त अरब अमीरात और मध्य-पूर्व में भारतीय आर्थिक प्रयासों को प्रभावित किया है।
- कफाला प्रणाली की चुनौतियाँ:
 - संयुक्त अरब अमीरात की **कफाला प्रणाली** नियोक्ताओं को आप्रवासी मजदूरों, विशेषकर अल्प वेतन वाले रोजगार में नियोजित श्रमिकों के संबंध में अनुचित अधिकार प्रदान करती है जो मानवाधिकारों के उल्लंघन संबंधी चर्चाएँ प्रस्तुत करती है।
 - इस प्रणाली के तहत प्रवासी श्रमिकों को **पासपोर्ट ज़ब्त होने**, वेतन मिलने में देरी और दयनीय जीवन-यापन की स्थिति जैसे परिणामों का सामना करना पड़ता है।
- संयुक्त अरब अमीरात द्वारा पाकिस्तान को प्रदत्त वित्तीय सहायता संबंधी चर्चाएँ:
 - पाकिस्तान को UAE द्वारा पर्याप्त वित्तीय सहायता इन **फंडों के संभावित दुरुपयोग** के बारे में आशंका उत्पन्न करती है क्योंकि पाकिस्तान प्राप्त वित्तीय सहायता को भारत के विरुद्ध सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिये इस्तेमाल करता रहा है।
- क्षेत्रीय संघर्षों के बीच राजनयिक संतुलन:
 - **ईरान और अरब देशों**, विशेषकर संयुक्त अरब अमीरात के बीच चल रहे **संघर्ष** के कारण भारत को राजनयिक संतुलन स्थापित करने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है।
 - **इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्षों** ने इन चुनौतियों को और बढ़ा दिया है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप प्रस्तावित IMEC प्रभावित हो सकता है।

आगे की राह

- भारत और UAE को गैर-प्रशुलक प्रतर्बिधों का समाधान करने के लिये मिलकर कार्य करना चाहिये जो भारतीय, विशेषकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्रों में, निर्यात को बाधित करते हैं। दोनों देशों को नियमों को सुव्यवस्थित करने और सुचारू व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिये विचार विमर्श करना चाहिये।
- संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश में वृद्धि कर और संयुक्त उद्यमों तथा साझेदारी के अवसरों की खोज कर भारत अपना आर्थिक प्रभुत्व बढ़ा सकता है। अनुकूल व्यावसायिक परिस्थिति को बढ़ावा देने और उद्यमिता को प्रोत्साहन प्रदान करने से अधिक भारतीय व्यवसायों को संयुक्त अरब अमीरात में आकर्षित किया जा सकता है।
- भारत और UAE पारदर्शिता, स्थिरता तथा नष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देकर संबद्ध क्षेत्र में चीनी आर्थिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिये सहयोग कर सकते हैं।
- दोनों देशों को **कफाला प्रणाली में सुधार** के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात में प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण में सुधार की दृष्टि में कार्य करना चाहिये जिससे उचित वेतन, गारमिमय जीवन तथा श्रमिकों के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित होगा।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन 'खाडी सहयोग परषिद' (गल्फ कोऑपरेशन काउंसलि) का सदस्य नहीं है? (2016)

- ईरान
- ओमान
- सऊदी अरब
- कुवैत

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न: डिजिटल मीडिया के माध्यम से धार्मिक मतारोपण का परिणाम भारतीय युवकों का आई.एस.आई.एस. में शामिल हो जाना रहा है। आई.एस.आई.एस. क्या है और उसका ध्येय (लक्ष्य) क्या है? आई.एस.आई.एस. हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये किस प्रकार खतरनाक हो सकता है? (2015)

प्रश्न. भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न भारत की आर्थिक प्रगतिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग है। पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के ऊर्जा नीति सहयोग का विश्लेषण कीजिये। (2017)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-uae-relations-1>

